मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKAE–182

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत

(बी. ए. एस. के. एच.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

बी.एस.के.ए.ई.-182 : संस्कृत साहित्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में कुल* **छः** *प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिए : 2×6=12

(क) गताऽनुगतिको लोकः कुट्टनीमुपदेशिनीम्।
प्रमाणयति नो धर्मं यथा गोघ्नमपि द्विजम्॥

अथवा

मातृवत् परदारेषु परद्रव्येषु लोष्ठवत्।
आत्मवत् सर्वभूतेषु यः पश्यति स पण्डितः॥

(ख) मूर्खशिष्योपदेशेन दुष्टस्त्रीभरणेन च।

दु:खितै: सम्प्रयोगेण पण्डितोऽप्यवसीदति॥

अथवा

दुष्टा भार्या शठं मित्रं भृत्यश्चोत्तरदायक:।

ससर्पे च गृहे वासो मृत्युरेव न संशय:॥

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए : 8×2=16

(क) माता मित्रं पिता चेति स्वभावात् त्रितयं हितम्।

कार्यकारणातश्चाऽन्ये भवन्ति हितबुद्ध्य:॥

अथवा

यस्य मित्रेण सम्भाषो यस्य मित्रेण संस्थिति:।

यस्य मित्रेण संलापस्ततो नास्तीह पुण्यवान्॥

(ख) यस्मिन् देशे न सम्मानो न वृत्तिर्नबान्धवा:।

न च विद्यागम: कश्चित् तं देशं परिवर्जयेत्॥

अथवा

लोकयात्रा भयं लज्जा दाक्षिण्यं त्यागशीलता।

पञ्च यत्र न विद्यन्ते न कुर्यात् तत्र संस्थितिम्॥

3. हितोपदेश के अनुसार 'लालच बुरी बला' है। अपने शब्दों में समझाइए। 20

अथवा

चाणक्य नीति के अनुसार 'त्यागने योग्य और अविश्सनीय मित्र' के क्या लक्षण होते हैं ?

4. प्रश्न संख्या 1 में रेखांकित किन्हीं **छः** शब्दों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए। 6×2=12

5. आचार्य चाणक्य का व्यक्तित्व एवं कृतित्व लिखिए। 20

अथवा

नीतिकाव्य के उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 10×2=20

(क) पंचतंत्र

(ख) कथासरित्सागर

(ग) हितोपदेश

(घ) चाणक्य नीति